सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 140 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 25 जून, 2025
मूल्य ₹ 3/-

किसी व्यक्ति के लिए स्वयं पर विजय पाना सभी जीतों में सबसे पहली और महान है।
-प्लेटो

भारत को नहीं भा रहा कोच गंभीर... 7 | तमिलनाडु में फिर मंदिर का सहारा... 3 | जब कथा सुन सकते हैं तो बोल... 2

नहीं थम रहा है युद्ध

सात इजरायली सैनिकों की मौत

- ट्रंप दहाड़े, कहा- नहीं सुधरे तो सबकुछ खत्म हो जाएगा
- इजरायल-ईरान क्रास मिसाइल अटैक जारी
- हूतियों ने खाई कसम, कहां जब तक गाजा आजाद नहीं होगा वह जंग लड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इजरायल-ईरान युद्ध पर भले ही संघर्ष विराम की बातें हो रही हों लेकिन ऐसा नहीं है। युद्ध अभी भी बदस्तूर जारी है। अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंम के एलान के बाद भी न तो ईरान मान रहा है और न ही इजरायल। दोनों तरफ से हमले हो रहे हैं और जानमाल के नुकसान की खबरें आ रही हैं। युद्ध ग्रस्त इजरायल से ताजा खबर सात सैनिकों की मौत के तौर पर सामने आ रही है। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में एक इजराइली बख्तरबंद वाहन के विस्फोटक की चपेट में आ जाने से यह हादसा घटित हुआ है।

हादसे में इजराइल के सात सैनिकों की मौत हो गई है। वहीं हूती समूह और अल-बुखैती ने ऐलान किया है कि वह इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखेगा। हूतियों ने अपने हमले तेज कर दिये हैं। ताजा खबरों के मुताबिक ट्रंप ने इजरायल और ईरान पर सीजफायर उल्लंघन पर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने इजरायल को चेतावनी दी है और ईरान की मिसाइल हमलों पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि नहीं चेते तो सबकुछ खत्म हो जाएगा।

जारी हैं हूतियों का अटैक

यमन के हूती समूह ने घोषणा की है कि वह इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान को जारी रखेगा। हूती समूह का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के बात आया है। हूती राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य मोहम्मद अल-बुखैती ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में यह कहा है कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के साथ संघर्ष विराम स्वीकार करना यह साबित करता है कि सैन्य बल ही एकमात्र भाषा है जो वे समझते हैं। हूती अधिकारी ने जोर देकर कहा कि समूह के इजरायल के खिलाफ सैन्य अभियान तब तक जारी रहेंगे, जब तक गाजा पर हमला बंद नहीं होता और घेराबंदी नहीं हटाई जाती।

इजरायल से ट्रंप नाराज

डोनाल्ड ट्रंप इजरायल से नाराज है और उसे चेतावनी दी है कि वह अब ईरान पर अटैक न करें। ट्रंप ने कहा है कि जब उन्होंने 12 घंटे का युद्धविराम घोषित किया तो इजरायल को उसका पालन करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इजरायल को 12 घंटे मिले थे लेकिन आपने पहले ही घंटे में सब कुछ खत्म कर दिया ये कोई तरीका नहीं है। इससे पहले ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर इजरायल को साफ शब्दों में चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि इजरायल बम मत गिराओ। अगर आप ऐसा करते हो तो यह बड़ा उल्लंघन होगा। अपने पायलट्स को वापस बुलाओ अभी। ट्रंप ने वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए कहा कि इन लोगों को शांत होना होगा। यह हास्यास्पद है। मैंने जो कुछ देखा वह मुझे बिलकुल पसंद नहीं आया न तो इजरायल का हमला और न ही ईरान की जवाबी कार्रवाई।

ईरान-इजरायल ने जारी किये आंकड़े

ईरान के स्वास्थ्य मंत्री मोहम्मद-रेजा जफरगांदी ने हमलों के बाद हुए जानमाल के नुकसान का आंकड़ा जारी करते हुए कहा है कि पिछले 12 दिनों में इजरायल के हवाई हमलों में अब तक 606 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 5,332 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मंत्री जफरगांदी ने बताया कि पिछले 24 घंटे अब तक के सबसे भयानक रहे जिनमें 104 मौतें और 1,342 घायल दर्ज किए गए। यह सिलसिला 13 जून से शुरू हुए हवाई हमले के बाद से लगातार जारी है। इस बीच, इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी जानकारी दी है कि संघर्ष की शुरुआत से अब तक 28 इजरायली नागरिकों की मौत हो चुकी है, जबकि 3,238 लोग घायल हुए हैं।

छह सैनिकों की पहचान जारी

हमास की सैन्य शाखा अल-कासिम ब्रिगेड्स ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि उसने दक्षिणी गाजा पट्टी में एक आवासीय इमारत के अंदर छिपे इजराइली सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया है। हमास की ओर से बताया गया है कि दक्षिणी खान यूनिस में यासीन 105 मिसाइल और एक अन्य मिसाइल की चपेट में आने से कुछ इजरायली सैनिकों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। इजराइली सेना के एक अधिकारी ने कहा है कि हमास की सैन्य शाखा अल-कासिम ब्रिगेड्स ने एक इमारत पर हमला कर कुछ इजरायली सैनिकों को मारने का दावा किया है। सैन्य नियमों के अनुसार नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया है कि छह सैनिकों की पहचान जारी कर दी गई है। वहीं एक सैनिक की पहचान को गोपनीय रखा गया है।

इजरायल में फंसे भारतीयों का लौटना शुरू

ऑपरेशन सिंधु के तहत 161 भारतीय नागरिकों के पहले समूह को इजराइल से वापस लाया गया है। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों का स्वागत किया। इस दौरान भारत लौटे नागरिकों ने केंद्र सरकार का आभार जताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि आज 161 भारतीय नागरिकों का पहला समूह इजराइल से वापस लाया गया है। वे आज सुबह 8:20 बजे अम्मान, जॉर्डन से नई दिल्ली सुरक्षित पहुंचे।

जब कथा सुन सकते हैं तो बोल क्यों नहीं सकते : अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि श्रीमद् भागवत कथा सबके लिए है। जब सब सुन सकते है तो सब बोल क्यों नहीं सकते है। भागवत कथा तो भगवान श्री कृष्ण से जु?ी है।

अगर सच्चे कृष्ण भक्तो को ही भागवत कथा कहने से रोका जायेगा तो कोई यह अपमान क्यों सहेगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वर्चस्वादी और प्रभुत्ववादी लोग कथा वाचन में अपना एकाधिकार बनाये रखना चाहते हैं। कथा वाचन को जिन्होंने भावना की जगह व्यवसाय बना लिया उन्हीं प्रभुत्ववादियों और वर्चस्ववादी लोगों के कारण इटावा में कथा वाचन का अपमान काण्ड हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर पीडीए समाज से इतना ही परहेज हैं तो वर्चस्ववादी लोग घोषित कर दें कि पीडीए परिवार द्वारा दिया गया च ?ावा, चंदा, दान, दक्षिणा कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

सपा अध्यक्ष ने पूरे यूपी के आंकड़े पेश करते हुए कहा किद भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार की घटनाएं कोई एक-दो नहीं अनगिनत है। सुल्तानपुर में महेन्द्र प्रताप मौर्य की गोली मार कर हत्या कर दी गयी। महोबा में दलित नव विवाहित जो ? को सामंतवादियों ने चप्पल उतार कर ही घर के सामने से गुजरने का फरमान सुना दिया। जब मना किया तो दूल्हे और नव विवाहिता को बुरी तरह मारा। यह स्थिति तब है जब भारत विश्व गुरू बनना चाहता है। विकसित बनने की तरफ है और दुनिया में संस्टनेबल विकास की बात हो रही है। दुनिया में तीसरी-चौथी ब ?ी अर्थव्यवस्था का दावा हो रहा है। इसी तरह से एटा में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर शोभायात्रा नहीं निकालने दी गयी। भाजपा की सरकार में पुलिस कहीं न्याय नहीं दे रही है, उल्टे पी ?तों पर मुकदमा कर प्रताि ?त किया जाता है। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि प्रदेश में 2500 लोग हैं जो प्रदेश को चला रहे है। वहीं प्रदेश में घूम-घूम कर प्रताि ?त और अपमानित कर रहे है। यही लोग पूरे प्रदेश में खेल-खेल रहे है। बांदा में विधायक ने एसडीएम की पिटाई कर दी। एसडीएम ओवर लोडिंग रोक रहा था, न्याय देना चाहता था, उसे विधायक ने पीटा। पूरी भाजपा हिस्ट्रीशीटर है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री जी ने अपने मुकदमे वापस ले लिये। सबको पता है कि सीएम और डिप्टी सीएम की कौन कौन धाराएं वापस ली गयी।

दान व चंदा भी न लें यह लोग

सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये वर्चस्ववादी और प्रभुत्ववादी लोग कभी घर को और कभी मंदिर को गंगाजल से धुलवाकर पीडीए समाज को अपमानित और मानसिक रूप से प्रताि ?त करते है। भागवत और कथा वाचकों पर हमलाकर वर्चस्ववादी लोग अब तो सीमा लांघ गये है। उन्हें भाजपा सरकार का संरक्षण है। सरकार के संरक्षण की वजह से पीडीए के लोगों का सिर मु ?वा रहे हैं। उन पर पेशाब करा रहे हैं और पिटाई कर रहे है। इटावा में पीडीए समाज के कथा वाचकों को रातभर पीटा गया। बाल मुं ?वा दिया। हरमोनियम, पैसा, चेन सब छीन लिया गया। आखिरकार ये वर्चस्ववादी लोग इतनी ताकत कहां से पा रहे हैं?

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर भाजपा को लगता है कि कथा करने पर एक वर्ग का अधिकार है तो वह उसके लिए कानून बना दें। जिस दिन पीडीए समाज ने अपनी कथा कहनी शुरू की दी उस दिन परम्परावादी शक्तियों का साम्राज्य ढह जायेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि

कहां से पा रहे हैं ताकत

भाजपा राज में पीडीए समाज को हेय दृष्टि से देखा जाता है। सुना है कि देश की सर्वोच्च कुर्सी पर बैठी देश की राष्ट्रपति जी के साथ भी कभी अपमान हुआ था। उन्हें भी हेय दृष्टि का सामना करना प ?ा था। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जैसे-जैसे पीडीए समाज में चेतना ब ? रही है वैसे-वैसे उस पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने के लिए अत्याचार ब ?ता जा रहा है। कौशाम्बी में पाल समाज की बेटी के साथ अत्याचार हुआ। उसके परिवार के लोग अन्याय के खिलाफ खड़े हो गये तो पिता पर मुकदमें लगाकर जेल भेज दिया गया। इनाम घोषित कर दिया गया। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल उस पीि ?त परिवार को न्याय दिलाने के लिए जा रहे थे, पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक दिया। पीि ?त परिवार से मिलने नहीं दिया।

कथावाचक पर बर्बरता मामला मानवाधिकार की दहलीज पर पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के इटावा जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक धार्मिक कथावाचक के साथ उसकी पिछड़ी जाति के कारण बर्बरता और अपमानजनक व्यवहार किए जाने की शिकायत दर्ज की गई है। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने कड़ा रुख अपनाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को नोटिस जारी किया है और विधिसम्मत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, उत्तर प्रदेश के इटावा में पिछड़ी जाति से होने के कारण धार्मिक कथा वाचक को पीटने, मुंडन करने व महिला के पैरों पर नाक रगड़वाकर पेशाब छिड़कने के वीभत्स कृत्य की शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायत के आधार पर राज्य सरकार के अधिकारियों को नोटिस जारी कर विधिसम्मत कार्यवाही करने एवं आयोग को रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुकुटमणि यादव कर रहे थे कथा

घटना बकेवर थाना क्षेत्र के दादरपुर गांव की है, जहां 21 जून को एक भागवत कथा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में कथावाचक मुकुट मणि और आचार्य संत सिंह कथा वाचन कर रहे थे। आयोजन के दौरान कुछ ग्रामीणों ने कथावाचकों की जाति को लेकर आपत्ति जताई। आरोप लगाया गया कि कथावाचकों ने स्वयं को ब्राह्मण बताकर कथा का आयोजन किया, जबकि वह अन्य जाति से हैं। इसी विवाद ने तूल पकड़ा और कुछ लोगों ने कथावाचकों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं, उनकी इच्छा के विरुद्ध उनके बाल भी काट दिए गए।

वीडियो हुआ वायरल

इस अमानवीय कृत्य का वीडियो किसी ने बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो के वायरल होने के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थानीय लोगों और धार्मिक संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सेल ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया और मामले की जांच शुरू की।

मुकदमा दर्ज आरोपी गिरफ्तार

पीड़ित कथावाचकों की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों आशीष (21 वर्ष), उत्तम (19 वर्ष), प्रथम उर्फ मनु (24 वर्ष) और निक्की (30 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। इनमें निक्की पर कथावाचकों के बाल जबरन काटने का मुख्य आरोप है। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि यह घटना बकेवर थाना क्षेत्र के एक गांव में आयोजित भागवत कथा के दौरान हुई, जहां कथावाचक के साथ कथित तौर पर मारपीट, अपमानजनक व्यवहार और उनकी चोटी काटने की घटना हुई।

सामाजिक सौहार्द को नुकसान

सुबह से ही सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और शिकायत के आधार पर हमने कार्रवाई शुरू कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित की गई है, जो इस मामले की गहन विवेचना कर रही है। पीड़ित की पहचान कर ली गई है और सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस इस मामले में पूरी गंभीरता से काम कर रही है। ऐसी घटनाएं सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाती हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

भाजपा नेता के खिलाफ महिला पुलिसकर्मी से छेड़छाड़ का मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। भाजपा की पुणे नगर इकाई के एक पदाधिकारी के खिलाफ एक महिला पुलिस अधिकारी से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि सोमवार को शनिवारवाड़ा इलाके में एक चाय की दुकान के पास आरोपी प्रमोद कोंधरे ने महिला अधिकारी के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई और महिला अधिकारी ने भी कोंधरे पर अनुचित कृत्य में लिप्त होने का आरोप लगाया है। हमने भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और 75 के तहत मामला दर्ज किया है, जो महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने और यौन उत्पीड़न से संबंधित है। कोंधरे भाजपा की नगर इकाई के महासचिव हैं।

गड्ढे भरने से नहीं छुपेगी नाकामी : देवेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि सरकार समय पर दिल्ली के नालों की सफाई करने में नाकाम रही है और इस बार बारिश में दिल्ली के कई इलाकों में पानी भरना तय है।

नालों की सफाई का कार्य जून के पहले सप्ताह के पहले ही समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन अब तक यह नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि अब सरकार एक दिन में हजारों गड्ढों को भरने का दावा कर अपनी नाकामी छिपाना चाहती है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि आज दिल्ली सरकार के द्वारा एक ही दिन में 3400 गड्ढों को भरने का दावा किया गया। लेकिन यह जमीनी सच्चाई नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल खानापूर्ति करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के हर इलाके में टूटी स ?कें, बहती नालियां और जर्जर बुनियादी ढांचा साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि पैच रिपेयर और गड्ढे भरने के बारे में फरवरी महीने में ही कई बैठकें हुई थीं, लेकिन अब गड्ढों को भरने की बात कहकर सरकार ने मान लिया कि ये कार्य अब तक नहीं हुए हैं।

लगाए गंभीर आरोप

यादव ने कहा कि पीडब्ल्यूडी के अधीन लगभग 14,00 किमी स ?कों की जिम्मेदारी है। बैठक में 7,000 गड्ढों की पहचान हुई थी, जिन्हें मेंटेनेन्स वैन से मरम्मत किया जाना था। इसके लिए 15 मार्च तक टेंडर और 15 अप्रैल तक काम शुरू होना तय था। इस तरह 2 लाख वर्ग मीटर पैच रिपेयर का लक्ष्य तय हुआ था, जिसके लिए 7 अप्रैल से कार्य प्रारंभ और 30 अप्रैल तक पूर्णता की समय सीमा तय की गई थी। लेकिन ये कार्य समय से पूरे नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी असफलता छिपाने के लिए गड्ढे भरने की कहानी सुनाई जा रही है।

मोदी सरकार हमसे वक्फ की जमीन नहीं छीन सकेगी : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर वक्फ कानून को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी या मोदी सरकार हमसे वक्फ की एक जमीन नहीं छीन सकेंगे। कर्नाटक का रायचूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने ये बात कही।

हैदराबाद सीट से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जो लोग ये समझ रहे कि मुसलमानों को ये कानून बनाकर डराया जाएगा। याद रखो कि पीएम मोदी या मोदी सरकार वक्फ की एक जमीन हमसे नहीं छीन सकेगी। ये कानून काला है। ये संविधान के अनुच्छेद 14,15,25,26 और 29 के खिलाफ है। जो चैप्टर तीन का अधिकार है, उसके खिलाफ है। ओवैसी ने कहा कि हम रायचूर के हिंदू भाइयों को संदेश देना चाहते हैं कि आपको एंडोवमेंट बोर्ड में सिर्फ हिंदू सदस्य बन सकता है तो मुसलमानों को वक्फ में कैसे गैर मुस्लिम सदस्य बनेगा?

तमिलनाडु में फिर मंदिर का सहारा लेगी भाजपा

नेताओं ने की सभी धर्मों का सम्मान करने की अपील

- पवन कल्याण व अन्नामलाई के भाषणों से हो रहा ध्रुवीकरण
- डीएमके ने भाजपा पर उठाए सवाल
- थेवर समुदाय दक्षिण तमिलनाडु में एक प्रभावशाली वोट बैंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण का काम तेजी से शुरू हो गया है। भाजपा के सहयोगी संगठन हिंदू मुन्नानी ने लोगों से अपील की है कि वे अगले साल अप्रैल में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में हिंदू वोट बैंक की ताकत दिखाएं। हम आपको बता दें कि दक्षिणपंथी संगठन द्वारा आयोजित भगवान मुरुगन भक्त सम्मेलन में हिंदू मुन्नानी ने 'हिंदू एकता' और हिंदुओं के अधिकारों व मंदिरों की रक्षा के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया है। इस सम्मेलन में आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण और तमिलनाडु भाजपा के कई पदाधिकारियों ने भाग लिया।

सम्मेलन में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि डीएमके सरकार को मंदिरों को राजस्व के स्रोत की तरह देखना बंद करना चाहिए और इन निधियों का उपयोग भक्तों के लाभ के लिए करना चाहिए। सम्मेलन में दिये गये अपने संबोधन में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंदू धर्म को निशाना बनाने वाले फर्जी धर्मनिरपेक्षतावादियों की आलोचना की और सभी धर्मों का सम्मान करने की अपील की। भगवान मुरुगन के श्रद्धालुओं के विशाल सम्मेलन मुरुगा भक्तर्गल मानाड को संबोधित करते हुए पवन कल्याण ने कहा कि वह धर्मान्ध हिंदू नहीं, बल्कि एक प्रतिबद्ध हिंदू हैं। अपने संबोधन में पवन कल्याण ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता शब्द बहुत से लोगों के लिए सुविधाजनक शब्द है। उन्होंने कहा, विशेष रूप से नास्तिकों के लिए, जो ईश्वर में विश्वास नहीं करते हभारत में वे हिंदू देवताओं में विश्वास नहीं करते। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता का मतलब किसी भी धर्म के खिलाफ कोई भेदभाव नहीं है, लेकिन उनके लिए धर्मनिरपेक्षता का मतलब हिंदू धर्म को छोड़कर किसी भी धर्म के खिलाफ कोई भेदभाव नहीं है। जन सेना पार्टी के संस्थापक पवन कल्याण ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंदू देवी-देवताओं को निशाना बनाना आम बात हो गई है।

बता दें कि थेवर समुदाय दक्षिण तमिलनाडु में एक प्रभावशाली वोट बैंक है। तमिल में बोलते हुए पवन कल्याण ने पासुम्पोन रामलिंगा थेवर जो थेवर समुदाय के आदर्श माने जाते हैं, उनको भगवान मुरुगन का अवतार और दुनिया के पहले क्रांतिकारी नेता के रूप में संबोधित किया। पवन कल्याण ने कहा कि तथाकथित धर्मनिरपेक्षतावादियों में अरब से आए धर्म के बारे में बोलने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि नास्तिकों की आदत बन गई है हमारे देवताओं को नीचा दिखाने की। यह बदलना चाहिए। अगर यह नहीं बदला, तो हिंदू धर्म को बनाए रखना मुश्किल हो जाएगा।

भगवान मुरुगन कभी गलत लोगों को आशीर्वाद नहीं देंगे : शेखरबाबू

उधर, विरोधी दलों ने इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा तथा उसके सहयोगियों पर निशाना साधा है। तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ अनुदान मंत्री पीके शेखरबाबू ने कहा कि भगवान मुरुगन कभी गलत लोगों को आशीर्वाद नहीं देंगे। उन्होंने कहा, भगवान मुरुगन जानते हैं कि कौन-सा आयोजन राजनीतिक है और कौन-सा आध्यात्मिक। वे सही और गलत में फर्क कर सकते हैं। इसलिए वे कभी भी गलत लोगों के साथ नहीं होंगे। वहीं एनटीके प्रमुख सीमान ने कहा कि भाजपा, तमिलनाडु में भगवान राम और गणेश के जरिए राजनीतिक लाभ लेने में असफल रही, इसलिए अब वे भगवान मुरुगन को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, जब इतने वर्षों तक वे उत्तर भारत में राम, तमिलनाडु में गणेश और केरल में अयप्पा की बात करते रहे, तो अब अचानक मुरुगन को क्यों अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।

हिंदू धर्म से किसी भी तरह का मतांतरण नहीं होना चाहिए : अन्नामलाई

वहीं सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि हिंदू धर्म से किसी भी तरह का मतांतरण नहीं होना चाहिए और जो लोग धर्म बदल चुके हैं, उन्हें हिंदू धर्म में वापस लौट आना चाहिए। अन्नामलाई ने कहा कि भगवान मुरुगन के भक्तों के सम्मेलन में हिंदुओं की भारी उपस्थिति सत्ता में बैठे लोगों के लिए एक चेतावनी है। उन्होंने कहा कि भगवान मुरुगन के प्रत्येक मंदिर का एक विशेष संदेश होता है— प्रेम, ज्ञान, दांपत्य जीवन, बुराई पर विजय और शांति। उन्होंने कहा,यह सत्ता में बैठे लोगों को तय करना है कि वे हिंदुओं को किस रूप में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू अक्सर उन्हें क्षमा कर देते हैं जो उन्हें छोटा या बड़ा नुकसान पहुँचाते हैं, लेकिन आज हिंदू अपने जीवन जीने के तरीके पर लगातार हमलों का सामना कर रहे हैं। अन्नामलाई ने कहा, राजनीतिक नेता जो हिंदू वोटों से सत्ता में आते हैं, वही हिंदुओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि हिंदू कभी एकजुट नहीं होंगे।अन्नामलाई ने कहा कि हमारे बच्चों को माथे पर विभूति (भस्म) लगाने और स्कूल में रुद्राक्ष माला पहनने का अधिकार मिलना चाहिए। ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए ऐसे सम्मेलनों की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि यहूदियों की विश्व जनसंख्या केवल 0.2 प्रतिशत है, फिर भी वे अपने अधिकारों के लिए चार देशों से लड़ रहे हैं। अन्नामलाई ने कहा कि जब भारत सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ता है, तो हमारे राजनीतिक नेता आलोचना पर उतर आते हैं।

मध्यावधि परीक्षा मनोबल बढ़ाने का काम करेगी

मतगणना सुबह चुंगथारा मार थोमा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुरू हुई। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती की गई, उसके बाद सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में दर्ज मतों की गिनती शुरू की गई। इस सीट पर 19 जून को मतदान हुआ था। चुनाव के दौरान 263 मतदान केंद्र बनाए गए थे और 19 दौर में मतगणना होगी। नीलांबुर सीट विधायक पी. वी. अनवर के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई थी, जहां सत्तारूढ़ एलडीएफ और यूडीएफ के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। एलडीएफ सरकार के मौजूदा कार्यकाल का यह चौथा साल है और चुनावी विश्लेषक इस उपचुनाव को एलडीएफ सरकार के लिए मध्यावधि परीक्षा के रूप में देख रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के लिए यहां जीत अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले उसका मनोबल बढ़ाने का काम करेगी।

भाजपा ने डीएमके सरकार को घेरा

इसके अलावा, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष नयनार नागेन्द्रन ने कहा कि सम्मेलन को रोकने की कई कोशिशों के बावजूद यह कार्यक्रम लाखों की भीड़ के साथ सफल रहा। उन्होंने भगवान मुरुगन के प्रसिद्ध भक्ति गीत मरुधमलई मामणियें की पंक्तियाँ गाकर भीड़ में उत्साह भर दिया। वहीं आरएसएस नेता आर. वन्नियाराजन ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू समाज में अस्पृश्यता और भेदभाव के कारण ही उसका विघटन हुआ। उन्होंने कहा कि आरएसएस का मानना है कि अस्पृश्यता एक पाप है और हिंदू एकता के लिए इसे जड़ से समाप्त करना जरूरी है। इसके अलावा,

हिंदू मुन्नानी नेता भक्तवचलम ने कहा कि तमिलनाडु में लोग अलग-अलग पूजा करते हैं। यहाँ भक्ति है लेकिन शक्ति नहीं। उन्होंने कहा, इस सम्मेलन का उद्देश्य यह है कि तमिलनाडु के लोग कम से कम महीने में एक बार एक साथ मिलकर 'कंध शष्ठी कवचम्म' का पाठ करें।

उत्तरी केरल में यूडीएफ का जलवा

उत्तरी केरल में नीलांबुर सीट पर हुए उपचुनाव में शुरुआती झटकों से उबरते हुए, यूडीएफ उम्मीदवार आर्यादान शौकत ने नीलांबुर उपचुनाव में अब तक 11,000 से अधिक वोटों की बढ़त हासिल कर ली है। एलडीएफ उम्मीदवार एम स्वराज को पोथुकल्लू पंचायत और नीलांबुर नगरपालिका में वोट शेयर में बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा, जिससे सीपीएम को काफी निराशा हुई। एलडीएफ ने पारंपरिक रूप से नीलांबुर में इन दो स्थानीय निकायों पर भरोसा किया है। यहां सीपीएम के वोटों का रिसाव एक मजबूत सत्ता विरोधी भावना का संकेत देता है। जब वाझिकादवु और मुथेदम में कांग्रेस का वोट शेयर कम हुआ, तो सीपीएम की उम्मीदें बढ़ गईं। 2021 में, इसने पोथुकल्लू और नीलांबुर में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। एलडीएफ खेमा उत्साहित था कि अपने गढ़ों से वोट जुटाना शौकत द्वारा पहले पांच राउंड में ली गई बढ़त को पार करने के लिए पर्याप्त होगा। एक बार नीलांबुर और पोथुकल्लू में वोट शेयर में गिरावट आने के बाद, शौकत ने आत्मविश्वास से आगे बढ़ना शुरू कर दिया और उम्मीद है कि वह करुलाई और अमरम्बलम में बढ़त बनाए रखेंगे। चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 13वें राउंड तक शौकत को 52,919 वोट मिले। स्वतंत्र उम्मीदवार पी वी अनवर ने दोनों मोर्चों को चौंकाते हुए अब तक 15,000 से अधिक वोट हासिल किए हैं। जबकि कांग्रेस वाझिक्कदावु और मुथेदम पंचायतों में अपेक्षित बहुमत हासिल नहीं कर सकी, शौकत ने धीरे-धीरे एडक्कारा में अपनी बढ़त 5,618 तक बढ़ा ली, जहां एलडीएफ को कड़ी टक्कर देने की उम्मीद थी, पोलिंग एजेंटों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार। चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चलता है कि 8वें राउंड में शौकत 5,655 से आगे थे, और अनवर को 9,751 वोट मिले।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ती गर्मी रोजगार को भी कर रही प्रभावित!

गर्मी की वजह से मजदूर दिन भर काम नहीं कर पा रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। इस बढ़ती समस्या पर नीति नियंताओं को ध्यान देने की जरूरत है। आइएलओ की 2019 की रिपोर्ट वर्किंग ऑन ए वार्मर प्लेनेटइम्पैक्ट ऑफ़ हीट स्ट्रेस ऑन लेबर प्रोडक्टिविटी एंड डिसेंट वर्क में चेतावनी दी गई है कि भारत में हीट स्ट्रेस के कारण 2030 में 5.8 प्रतिशत काम के घंटे कम होने की उम्मीद है। अपनी बड़ी आबादी के चलते देश 2030 में 3.4 करोड़ लोगों को अपनी नौकरियां खोनी पड़ सकती हैं। विश्व बैंक की 2022 की एक और रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2030 तक, पूरे भारत में सालाना 16 से 20 करोड़ से ज्यादा लोगों के घातक गर्मी की चपेट में आने की संभावना है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 2000-2004 और 2017-2021 के बीच भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में 55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। गर्मी की चपेट में आने से 2021 में भारतीयों के बीच 167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे का नुकसान हुआ।

इसकी वजह से देश की जीडीपी के लगभग 5.4 प्रतिशत के बराबर आय का नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय शहर जलवायु पैटर्न में होने वाली तब्दीलियों के प्रति तेजी से संवेदनशील होते जा रहे हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बड़ा खतरा है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है। देखा जाए तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा इम्तिहान ले रहा है जो कड़ी धूप और खुले आकाश तले पसीना बहाने को मजबूर हैं। उत्तर भारत के कई राज्यों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग प्रति दशक 0.26 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रही है। शहरों में जब लोग एसी के रिमोट से टेंपरेचर ऊपर-नीचे कर रहे होते हैं, उसी दौरान मजदूर कहीं खेत या किसी घर की दीवारों की ईंट उठाते हुए पसीना बहा रहे होते हैं। हालांकि सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए है। देश की करीब 90 फीसदी श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी है। ज्यादातर मामलों में इन श्रमिकों को चिलचिलाती धूप, बारिश, आंधी-तूफान के बीच खुले में काम करना पड़ता है। उनके लिए न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। ऐसे में इन किसानों, श्रमिकों को हर दिन अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए खतरों से दो-चार होना पड़ता है।

“ विश्व बैंक की 2022 की एक और रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2030 तक, पूरे भारत में सालाना 16 से 20 करोड़ से ज्यादा लोगों के घातक गर्मी की चपेट में आने की संभावना है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 2000-2004 और 2017-2021 के बीच भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में 55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। गर्मी की चपेट में आने से 2021 में भारतीयों के बीच 167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे का नुकसान हुआ।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फेक नैरेटिव के दौर में सिसकती इंसानियत

क्षमा शर्मा

इस्राइल-ईरान युद्ध के खात्मे का इंतजार दुनिया को था कि विश्व का दरोगा अमेरिका इसमें कूद पड़ा। दुनिया पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध से परेशान थी, इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी कुछ दिनों का युद्ध हो चुका था। अमेरिका का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम दुनिया के लिए खतरा है। ईरान पर बम बरसाने से पहले अमेरिका ने धमकी भी दी थी कि वह फौरन इसे रोके। यह बात बिल्कुल ठीक है कि परमाणु अस्त्र पूरी मानवता के लिए आफत की तरह हैं। जापान के हिरोशिमा-नागासाकी पर जो बम गिराए गए थे, उनकी विनाशक क्षमता आज के परमाणु हथियारों के मुकाबले बहुत कम थी। तब भी जापान ने इसे दशकों तक भुगता। आज तो ऐसे हथियार हैं, जो पल भर में दुनिया को खत्म कर सकते हैं। ऐसे में हे अमेरिकियों, जितने मारक हथियारों के जखीरे आपके पास हैं, दूसरे देशों को उपदेश देने से पहले, उन्हें नष्ट क्यों नहीं कर देते। क्या वे दुनिया के लिए खतरा नहीं हैं या कि उसी तर्क पर चलते हो कि जबरा मारे और रोने भी न दे।

जब अमेरिका के खिलाफ ये बातें की जा रही हैं, तब इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि ईरान का पक्ष लिया जा रहा है। मानव अधिकारों के मामले में ईरान की स्थिति कोई अच्छी नहीं है। दशकों पहले जब ईरान के इस्लामिक आंदोलन ने शाह रजा पहलवी को खदेड़ दिया था और पेरिस में निर्वासित जीवन बिताने वाले खोमेनी को हाथो हाथ लिया था, तब की याद आती है। खोमेनी के पक्ष में वहां जो युवा शाह के खिलाफ आंदोलन चला रहे थे, उनमें से बहुत से खुद को इस्लामिक मार्क्सिस्ट कहते थे। जब खोमेनी पेरिस से लौटे, तो उनकी कार को कंधे पर उठा लिया गया था। बाद में सबसे पहले खोमेनी ने इन्हीं इस्लामिक मार्क्सिस्ट कहने वाले लोगों को सरेआम मौत के घाट उतरवाया था। शाह ने स्त्रियों को घर की चारदीवारी से निकाला था, उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखाई थी, खोमेनी ने उन्हें वापस सदियों पहले की स्थिति में धकेल दिया। अब वहां स्त्रियां अपने आप कुछ नहीं कर सकतीं। न बैंक अकाउंट खोल सकती हैं, न बिना माता-पिता की लिखित अनुमति के पढ़ सकती हैं, न नौकरी कर सकती हैं। न शादी ही।

सिर से हिजाब जरा-सा खिसका नहीं कि आफत आई नहीं। अफगानिस्तान की तरह ही वहां भी स्त्रियों को मामूली मानव अधिकार नहीं हैं। इसे धर्म और हमारी संस्कृति कहकर रफा-दफा कर दिया जाता है। लेकिन अमेरिका जिसका ट्रेक रिकॉर्ड दुनिया भर के तानाशाहों को पालना-पोसना रहा है,

वह मनमाने तरीके से मानव अधिकारों की व्याख्या करता है। चाहे डेमोक्रेट्स हों या रिपब्लिकंस, उनकी नजर सिर्फ अपने यहां पूंजीपतियों के हितों को देखने की होती है। मानव अधिकार आदि की बातें तो दुनिया को दिखाने के लिए होती हैं। इस सिलसिले में जान पर्किन्स की मशहूर पुस्तक 'कन्फेशन्स ऑफ ऐन इकोनॉमिक हिटमैन' पढ़ी जा सकती है। जान खुद इकोनामिक हिटमैन रहे हैं यानी कि दूसरे देशों में अमेरिकी पूंजीपतियों के हितों को हर हाल में संरक्षित करने वाले। फिर दूसरा देश अपने यहां क्या करना चाहता है, इसमें दखल देने वाले आप कौन हैं। अमेरिका अपने यहां कौन से हथियार विकसित कर रहा है, यदि किसी दूसरे देश को यह बात पसंद न आए तो क्या वह अमेरिका पर उसी तरह हमला कर दे, जैसे अमेरिका करता है। कल अगर भारत की सत्ता आपकी बात न माने, तो आप उस पर भी चढ़ दौड़ेंगे। ये बात अलग है कि कभी वियतनाम से पिटेंगे, तो कभी अफगानिस्तान से सिर पर पांव रखकर भागेंगे। आपको नब्बे का दशक याद होगा। अमेरिका, ईराक पर टूट पड़ा था। बहाना बनाया था कि ईराक के पास ऐसे रासायनिक हथियार हैं, जो विश्व को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि यह कभी प्रमाणित नहीं हो सका। लेकिन सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई। उनका वह चित्र छपा था, जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते थे। उनका सिर एक ओर पड़ा था और धड़ एक ओर। नब्बे के दशक में ही भारत में टेलीविजन घर-घर पहुंच चुका था। ईराक, अमेरिका की लड़ाई का पहली बार लाइव प्रसारण लोगों ने घर बैठकर देखा था और रोमांचित हुए थे। आज इक्कीसवीं सदी के पचीसवें वर्ष में इस्राइल, अमेरिका, ईरान युद्ध की तस्वीरें, लाइव प्रसारण भी खूब दिख रहे हैं। बीबीसी और न्यूयार्क टाइम्स ने बताया कि इस समय युद्ध के फेक वीडियोज और रील्स की बाढ़ आ गई है।

इन्हें एआई द्वारा तैयार किया गया है। इन रील्स और वीडियोज को देखने वालों और फालोअर्स की संख्या करोड़ों में पहुंच रही है। इस फेक नैरेटिव से लड़ना वाकई मुश्किल काम है। इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय भी देखा गया था। किस तरह से पश्चिमी मीडिया ने भारत के खिलाफ फेक नैरेटिव तैयार किया था। लिखने वाले पाकिस्तानी और छापने वाले यही न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट, टेलीग्राफ, बीबीसी आदि ही थे। लेकिन अब जब अमेरिका, इस्राइल के खिलाफ फेक वीडियोज और रील्स भारी पैमाने पर आने लगे, तो रोने लगे। पश्चिमी मीडिया ऐसा ही दुरंगा है।

वैश्विक संबंधों में बदलावों के कूटनीतिक सबक

ज्योति मल्होत्रा

विदेश नीति के बारे में यह कमाल है कि चंडीगढ़ के नित बदलते मौसम से भी अधिक तेजी से बदलती है और आपको पता नहीं होता कि आने वाले तूफान से कैसे निबटा जाए, जब तक कि वह ऐन आपके सिर के ऊपर न आ जाए। पिछले सप्ताह कनानास्किस में कुछ ऐसा ही हुआ। जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली से साइप्रस होते हुए 11,056 किलोमीटर की यात्रा करके पहुंचे थे, दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली लोग वहां एकत्र थे - सिवाय डोनाल्ड ट्रम्प के, जो जल्दी चले गए क्योंकि इस्राइल ने ईरान पर बमबारी कर दी थी और जैसा कि बाद में पता चला- पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर दोपहर के भोजन पर व्हाइट हाउस आने वाले थे। यहां, इस सप्ताह वैश्विक मिज़ाज में आए परिवर्तनों से तीन सीखें मिलती हैं सबसे पहले, महाभारत के अर्जुन की तरह, अपनी नजर मछली की आंख पर बनाए रखें।

साल 2019 में जोर-शोर से लगाए गए नारे, 'अबकी बार, ट्रम्प सरकार' वाले दिनों से लेकर ट्रम्प का मोदी को वाशिंगटन डीसी आने का बुलावा और मोदी द्वारा इसे ठुकराने वाली घड़ी तक, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह एक लंबी और संजीदा यात्रा रही। राजनीति का मुख्य सबक यह है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, सिर्फ हित स्थाई होते हैं। घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री इस खेल में माहिर हैं। वे विरोधाभासों का प्रबंधन बहुत खूबसूरती से कर लेते हैं, मसलन एक ओर दलित नेता बीआर अंबेडकर के लिए अपनी घोषित प्रशंसा और दूसरी ओर जाति जनगणना को लेकर उनकी पार्टी की बीते समय में असहजता - तथापि, कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे के पीछे हाथ धोकर पड़ जाने के बाद, इस किस्म की जातिगणना करवाने की घोषणा कर देना। हो सकता है कि भाजपा इसका श्रेय छीन ले, खासकर तब जब कांग्रेस अंदरूनी तौर पर कमोबेश बिखरी पड़ी है। अपने पाले में, प्रधानमंत्री ने इस मामले में मतभेदों को जिस बढ़िया ढंग से संभाला है, विदेश मामलों के मोर्चे पर भी उन्हें अवश्य ऐसा ही कर दिखाना चाहिए।

दूसरा,जिस बदलाव की बहुत जरूरत है वह है यथार्थवादी होने की काबिलियत। व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के दो शीर्ष जनरलों-सेना प्रमुख असीम मुनीर और आईएसआई मुखिया जनरल असीम मलिक-को ट्रंप द्वारा दिखाया गया लाड़-प्यार इस बात का सबूत है कि ईरान के साथ टकराव बढ़ने की स्थिति में अमेरिका पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के संभावित मित्र राष्ट्र के रूप में देख रहा है। अमेरिका सत्ता की प्रकृति को अच्छी तरह समझता है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व की अनदेखी करते हुए सीधे उसके सैन्य प्रतिष्ठान से राब्ता बनाकर ट्रंप यह स्पष्ट कर रहे हैं कि उनके पास औपचारिक रूट जैसे तामझाम लिए समय नहीं है। वह जानते हैं कि जो वो चाहते हैं, अगर कोई इसे पूरा सकता है, तो वह है रावलपिंडी स्थित सैन्य प्रतिष्ठान। तो क्या इसका यह मतलब है कि अमेरिका भारत की उस स्थिति पर और ज्यादा यकीन नहीं करना चाहता कि सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है? या फिर अब यह नहीं मान रहा कि पहलगाम कांड पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं द्वारा करवाया गया था? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों है।

निश्चित रूप से अमेरिका भारत के इस विश्लेषण से सहमत होगा कि भारत में सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है। लेकिन दुर्भाग्यवश, लगता है इस समय उसे पाक की ज़रूरत भारतीयों को पहुंचने वाले उस दर्द से ज़्यादा महत्वपूर्ण लग रही है, जिनका मानना था कि ट्रंप-मोदी सदा पक्के दोस्त रहेंगे। यहां मुद्दा यह है कि ट्रंप को लगता है कि वे असीम मुनीर और मोदी, दोनों के, बढ़िया दोस्त हो सकते हैं- वास्तव में, न केवल ट्रंप बल्कि तमाम बड़ी शक्तियों के पास एक ही समय में ऐसे देशों और नेताओं से बरतने की क्षमता होती है। बड़ी ताकतों के व्यावहारिक तौर-तरीकों का यह एक जरूरी अवयव है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय शायद इस बात से हैरान है कि 10 मई को भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम पर तथाकथित अमेरिकी 'मध्यस्थता' को लेकर भारत के अंदर इतना बवाल क्यों मचा हुआ है, खासकर तब जब सभी जानते हैं कि अमेरिकी राजनयिक लड़ाई बंद करवाने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी दोनों से अलग-अलग बात कर रहे थे। असल में हुआ यह है 10 मई को भारतीय वायुसेना द्वारा 11 पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर बमबारी के बाद जब अमेरिकियों ने दिल्ली में अपने समकक्षों को फोन करके पाकिस्तान की तबाही और ज्यादा बंद करने को कहा, तो उनसे कहा गया कि वे पाकिस्तानी पक्ष को बता दें कि वे खुद भारतीयों से संपर्क करके इसके लिए अनुरोध करें।

उस दिन , बाद में पाकिस्तानी डीजीएमओ ने ठीक यही किया। बीते सप्ताह वैश्विक मिजाज में आया तीसरा बदलाव रहा , ईरान पर इस्राइली बमबारी के खिलाफ ब्यानबाजी का जोर पकड़ना। इस्राइल को दिये ट्रंप के समर्थन पर भी किंतु-परंतु होता रहा। रूस और चीन पहले ही इस्राइल के खिलाफ सामने आ चुके हैं। अरब के लोगों में गहरी चिंता पसरी रही। लगता रहा कि मध्य पूर्व में टकराव रोकने को दुनिया एकजुट हो रही है। इस स्थिति में, संयुक्त राष्ट्र और चीन के नेतृत्व वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में इस्राइल के विरुद्ध रखे गए प्रस्तावों पर भारत के अनुपस्थित रहने पर चिंताजनक सवाल बने हुए हैं। इसका उत्तर, निश्चित रूप से, प्रधानमंत्री मोदी और बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्यक्तिगत प्रगाढ़ संबंध हैं। इस्राइली प्रधानमंत्री ने मोदी को फोन किया और निस्संदेह उनका समर्थन मांगा होगा।

पोहा से बनाएं ये पकवान

भारत एक ऐसा देश है, जहां हर राज्य का अपना अलग खान-पान है। यही वजह है कि यहां के लोगों को हर दिन, हर समय कुछ अलग खाने की क्रेविंग होती है। यदि आप भी फूडी हैं, तो ये खबर आपके लिए है। आपने अपनी लाइफ में पोहा कभी न कभी तो अवश्य ही खाया होगा। सुबह के नाश्ते में गर्मियों में अक्सर कुछ हल्का खाने का मन करता है। रोजाना क्या नया बनाएं, जो टेस्टी भी हो और हेल्दी भी ये सोचने में महिलाओं का बहुत दिमाग खराब होता है। यूं तो पोहा खाना सभी को पसंद होता है। लेकिन आप सिंपल तरीके से बनने वाले पोहे को खाते-खाते बोर हो गए हैं तो आपको कुछ अलग रेसिपी ट्राई करनी चाहिए। पोहा एक ऐसा नाश्ता है, जिसे बड़े से लेकर बच्चे तक खाना पसंद करते हैं, लेकिन हम आपको यहां साधारण पोहे की जगह पोहे से बनने वाले अव्य पकवानों के बारे में बताएंगे। जी हां, पोहे से आप कांदा बपोहा के अलावा भी कई अन्य पकवान बना सकते हैं।

पोहा पकौड़े

कुछ अलग तरह के पकौड़े बनाने का सोच रहे हैं तो सबसे पहले पोहा भिगो कर गीला कर लें। जब ये भीग जाए तो इसे मैश कर लें। इसके बाद इसमें सभी मसालों के साथ बारीक प्याज और थोड़ा सा बेसन मिक्स करें। सभी चीजों को मिक्स करने के बाद गरम तेल में इसके पकौड़े तलें और चटनी के साथ परोसें।

पोहा उपमा

नाश्ता दिनभर के सबसे जरूरी मील में से एक है। सुबह का नाश्ता छोड़ना शरीर के लिए नुकसान के रूप में काम करता है और कई बीमारियों को आमंत्रण देने का काम करता है। इसके अलावा नाश्ता करना शरीर को एनर्जी देने के साथ शरीर के तमाम अंगों को एक बूस्टर स्टार्ट देने की जरूरी है। ऐसे में रवा उपमा तो आपने अक्सर खाया ही होगा, पर क्या आपने कभी पोहा उपमा खाया है? अगर नहीं तो इस बार नाश्ते में पोहा उपमा तैयार करें। इसे बनाना काफी आसान है। खासतौर पर जब आपको कुछ हल्का और स्वादिष्ट खाने का मन है तो पोहा उपमा सबसे सही रहेगा। इसमें पोहे और सब्जियों का बढ़िया मेल होता है। सबसे पहले तो ये लो कैलोरी पर हाई फाइबर वाला फूड है। इसमें सब्जियां और मूंगफली जैसी चीजें होती हैं तो वहीं नींबू यानी विटामिन सी भी होता है।

पोहा रोल

ज्यादातर लोग हेल्दी ब्रेकफास्ट करना पसंद करते हैं. क्योंकि हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से आप दिनभर एनर्जी से भरपूर रहेंगे और शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाएंगे। ऐसे में पोहा रोल ट्राई किया जा सकता है। यह खाने में जितना स्वादिष्ट उतने ही कम समय में बनकर भी तैयार हो जाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पोहे का मिश्रण तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले पोहे को भिगो कर मैश कर लें। अब इसमें पनीर या आलू के अलावा सभी मसाले मिक्स करके अच्छी करह से मिक्स करें। इसके बाद इसे ब्रेड में भरकर रोल तैयार करें और तल लें। चाहें को इसे एयरफ्राई कर सकते हैं।

पोहा टिक्की

यदि आपको शाम की भूख के लिए कुछ खास तैयार करना है तो पोहा टिक्की से बेहतर विकल्प कुछ हो नहीं सकता। आलू की टिक्की बनाने के लिए आपको काफी सामान की जरूरत पड़ती है और उसमें काफी समय भी लगता है। ऐसे में आप चाहें तो पोहा टिक्की भी तैयार कर सकते हैं। पोहा टिक्की जितना बनाना आसान है, उतना ही इसका स्वाद मजेदार होता है। इसलिए आप बेझिझक इसे भी मेहमानों को भी परोस सकती हैं। इसके अलावा बच्चे के लिए लंच बॉक्स में क्या बनाएं ये एक ऐसा सवाल है जो हर मां को परेशान करता है। ऐसे में पोहा टिक्की आपके बच्चे के लंच बॉक्स के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। ये खाने में टेस्टी और पोषक तत्वों से भरपूर है।

हंसना मना है

वाईफ : जानू हम ना.. मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर, फ्राइडे .. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। जानू कितना मजा आएगा ना। हसबंड : यस, और संडे मंदिर.. वाइफ : क्यों..? हसबैंड : भीख मांगने।

अमीर आदमी : आज मेरे पास 14 कार, 18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी : मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

डॉक्टर- तुम्हारी नब्ज तो ठीक चल रही है, बिल्कुल घड़ी की तरह, लड़की- अरे नहीं, आपने गलती से नब्ज की जगह मेरी घड़ी पर हाथ रख दिया है।

प्यार को मत छुपाओ उसे जरुरत है जताने की, अपनी प्रतिभाओं को मत छुपाओ उन्हें जरुरत है बढ़ाने की, अब और परफ्यूम मत लगाओ तुम्हें जरुरत है नहाने की।

तु चांद मांग मैं चांद दे दूं, तु रात मांग मैं रात दे दूं, तु दिल मांग मैं दिल दे दूं, तु प्यार मांग... क्या यार, भीक मांगने की भी एक लिमिट होती है।

तुम क्या जानों गम क्या होता है? तुम क्या जानो गम किसे कहते है? तुम क्या जानो गम क्या चीज होती है? तुमने तो हमेशा फेवीकोल यूज किया है!

कहानी | समस्याओं का बोझ

एक प्रोफेसर कक्षा में दाखिल हुए। उनके हाथ में पानी से भरा एक गिलास था। उन्होंने उसे बच्चों को दिखाते हुए पूछा, यह क्या है? छात्रों ने उत्तर दिया, गिलास। प्रोफेसर ने दोबारा पूछा, इसका वजन कितना होगा? उत्तर मिला, लगभग 100-150 ग्राम। उन्होंने फिर पूछा, अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूं तो क्या होगा? छात्रों ने जवाब दिया, कुछ नहीं। अगर मैं इसे एक घण्टे पकड़े रहूं तो? प्रोफेसर ने दोबारा प्रश्न किया। छात्रों ने उत्तर दिया, आपके हाथ में दर्द होने लगेगा। उन्होंने फिर प्रश्न किया, अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूं तो क्या होगा? तब छात्रों ने कहा, आपकी नसों में तनाव हो जाएगा। नसें संवेदनशून्य हो सकती हैं। जिससे आपको लकवा हो सकता है। प्रोफेसर ने कहा, बिल्कुल ठीक। अब यह बताओ क्या इस दौरान इस गिलास के वजन में कोई फर्क आएगा? जवाब था कि नहीं। तब प्रोफेसर बोले, यही नियम हमारे जीवन पर भी लागू होता है। यदि हम किसी समस्या को थोड़े समय के लिए अपने दिमाग में रखते हैं। तो कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन अगर हम देर तक उसके बारे में सोचेंगे तो वह हमारे दैनिक जीवन पर असर डालने लगेगी। हमारा काम और पारिवारिक जीवन भी प्रभावित होने लगेगा। इसलिए सुखी जीवन के लिए आवश्यक है कि समस्याओं का बोझ अपने सिर पर हमेशा नहीं लादे रखना चाहिए। समस्याएं सोचने से नहीं हल होतीं। सोने से पहले सारे समस्यायुक्त विचारों को बाहर रख देना चाहिए। इससे आपको अच्छी नींद आएगी और आप सुबह तरोताजा रहेंगें।

कहानी से शिक्षा-समस्याओं को लेकर अधिक परेशान नहीं होना चाहिए। इससे हमारा ही नुकसान ही होता है।

7 अंतर खोजें

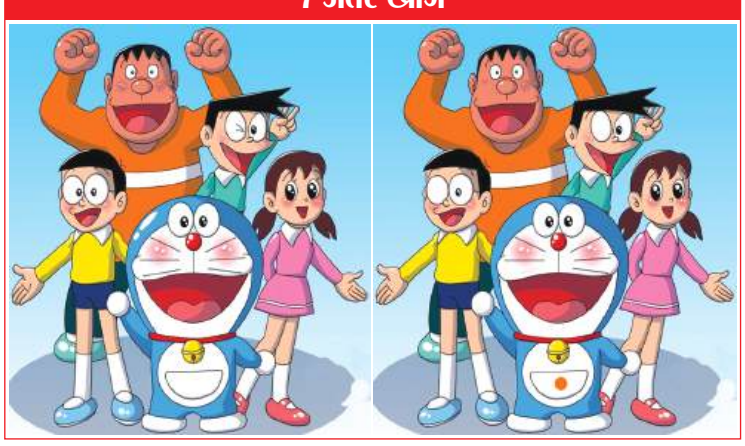

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। कार्य बनेंगे।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क

घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। निवेश शुभ रहेगा। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु

अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ

रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

कमल और मीना के लिए अभी कोई सेलेक्ट नहीं : सिद्धार्थ

मीना कुमारी की बायोपिक 'कमल और मीना' को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। जहां कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि कियारा आडवाणी को इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है, वहीं अब फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है। सिद्धार्थ ने साफ किया, न स्क्रिप्ट फाइनल है, न किसी एक्ट्रेस को साइन किया गया है। इस समय सिर्फ बातचीत चल रही है, इसलिए ये कहना जल्दबाजी होगी कि कौन ये रोल करेगा और कौन नहीं। उन्होंने मीडिया में चल रही खबरों पर हैरानी जताई और कहा, कोई रिपोर्ट्स अगर आ भी रही हैं, तो वो ना मेरी टीम की ओर से हैं, ना प्रोड्यूसर्स की ओर से। हमें खुद नहीं पता कौन ये बातें फैला रहा है। सिद्धार्थ ने बताया कि जैसे ही मीना कुमारी पर फिल्म की चर्चा शुरू हुई, इंडस्ट्री में हलचल मच गई। मीना कुमारी एक लीजेंड हैं। जब भी ऐसा कोई रोल आता है, तो पूरी इंडस्ट्री एक्टिव हो जाती है। बहुत सी ऐक्ट्रेसेस ने कॉल किया है। लेकिन फिलहाल, किसी के साथ भी कागजी तौर पर कुछ फाइनल नहीं हुआ है। कास्टिंग को लेकर चल रही अफवाहों में कियारा आडवाणी, आलिया भट्ट और श्रद्धा कपूर के नाम सामने आए हैं। इस पर सिद्धार्थ ने कहा, मैं किसी का नाम कैसे लूं? न स्क्रिप्ट लॉक है, न पैसों की बात हुई है, न साइनिंग। अगर मैं किसी एक नाम पर भी प्रतिक्रिया दूं तो ऐसा लगेगा जैसे उस एक्ट्रेस को हमने फाइनल कर लिया है, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा, श्रद्धा का भी नाम आ गया कि वो कर रही हैं, आलिया का नाम भी चल रहा है, लेकिन इन सब पर कोई पुष्टि नहीं है। सच्चाई ये है कि इंडस्ट्री की हर बड़ी ऐक्ट्रेस ने इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। फिल्म 'कमल और मीना' मीना कुमारी और कमाल अमरोही के बीच 1950 से 1970 तक के रिश्ते, प्यार और जटिलताओं को सामने लाएगी। यह कहानी उनके लिखे गए 500 से अधिक असली लव लेटर्स और डायरी एंट्रीज पर आधारित है।

धनुष एक बेहतरीन इंसान हैं : रश्मिका

रश्मिका मंदाना फिल्मों में जितना एक्टिव रहती हैं, उतना ही सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में फिल्म 'कुबेर' के अपने को-एक्टर धनुष को लेकर रश्मिका मंदाना ने एक पोस्ट साझा की है। जिसमें उनके साथ काम करने के एक्सपीरियंस का जिक्र किया। रश्मिका मंदाना एक लंबा सा कैप्शन भी लिखा है। वह लिखती हैं, 'भले ही मैंने आपके साथ पूरी फिल्म (कुबेर) की हो लेकिन मेरे पास आपकी यही एक फोटो है। यह पोस्ट में आपकी तारीफ में कर रही हूं। आप एक बेहतरीन इंसान हैं। हर दिन बहुत मेहनत करते हैं। आप जो कुछ भी करते हैं, वह बेहतरीन है।' रश्मिका मंदाना आगे लिखती हैं, 'आप सिर्फ मेरे साथ ही नहीं बल्कि हर शख्स के लिए बहुत काइंड रहे हैं। आप हर किसी से बहुत प्यार से बात करते हैं। मैं हमेशा याद रखूंगी कि आपने मुझे सेट पर कितने लड्डू खिलाए। मेरी किस तरह से तमिल डायलॉग बोलने में मदद की। जब आपको मेरा कोई सीन करने का तरीका पसंद आता था और आप कहते थे, 'यह बढ़िया था।' ये आपके लिए छोटी-छोटी बातें हो सकती हैं लेकिन ये वाकई बहुत बड़ी बातें हैं, जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। आपको फ्यूचर के लिए बहुत सारी बेस्ट विशेज।' फिल्म 'कुबेर' में रश्मिका और धनुष के अभिनय की इन दिनों तारीफ हो रही है। बॉक्स ऑफिस पर सोमवार को यह फिल्म 6.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। इसकी कुल कमाई भी 55.10 करोड़ रुपये हुई। इस तरह यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कमाई कर रही है। रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो आगे वह हिंदी फिल्म 'थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म में भी नजर आएंगी। 'थामा' में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' में रश्मिका, विजय देवरकोंडा के अपोजिट दिखेंगी।

एक्टर को लेकर मंदाना ने एक पोस्ट साझा कर दी अपनी प्रतिक्रिया

'मैं भी तो इस धरती माता का हिस्सा हूं'

सिंगर एक्टर दिलजीत दोसांझ अपनी आगामी फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। इस कारण उन्हें नेटिजंस खूब ट्रोल कर रहे हैं। कुछ तो उन्हें पाकिस्तान का दोस्त तक बता रहे हैं। अब अभिनेता की एक प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने खुद को धरती माता का एक हिस्सा माना है। सरदार जी 3 का जबसे ट्रेलर रिलीज हुआ, तभी से दिलजीत दोसांझ की तीखी आलोचना हो रही है और उन्हें देश को धोखा देने की बात भी कही जा रही है। अभिनेता ने ग्रैमी प्रेसिडेंट पनोस ए पानाय के साथ दिए इंटरव्यू में कहा, 'देश युद्ध में हैं, और हमारे पास इन चीजों पर नियंत्रण नहीं है। लेकिन मेरा मानना है कि संगीत ऐसी चीज है जो देशों को जोड़ती है। मैं ऐसी चीज का हिस्सा बनकर खुद को धन्य महसूस करता हूं जो देशों में प्यार फैलाती है।'आगे बातचीत के दौरान दिलजीत दोसांझ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें देश से आगे बढ़कर धरती माता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ये सभी सीमाएं उसी धरती माता का हिस्सा हैं और मैं उसी का हिस्सा हूं।' इसके साथ ही सिंगर-एक्टर ने बोला, 'राजनीति एक अलग क्षेत्र है, मैं इस पर बोलकर कोई गलती नहीं करना चाहता। लेकिन मेरे लिए हर पल कीमती है और मैं इसे पूरी तरह से जीना चाहता हूं।'रविवार को सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ की आगामी फिल्म सरदार जी 3 का ट्रेलर जारी हुआ, इसी के बाद से अभिनेता का विरोध हो रहा है। क्योंकि उनकी इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी नजर आएंगी। इसी के बाद से अभिनेता का विरोध हो रहा है, क्योंकि पहलगाम आंतकी हमले के बाद से सभी पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में काम करने से मना कर दिया गया है और साथ ही भारतीय एक्टर्स को भी उनके साथ सहयोग ना करने की बात कही गई थी। इन्हीं वजहों से सरदार जी 3 अब भारत में नहीं रिलीज होगी।

'सरदार जी 3' को लेकर हो रही आलोचना पर दिलजीत ने दी सफाई

विज्ञापन में पुरानी बीवी के बदले नई देने का दिया ऑफर, लोग रह गए दंग!

सोशल मीडिया पर कई बार लोग मजाक भी बहुत अजीब कर जाते हैं। कभी कोई प्रैंक करते समय कुछ और हो जाता है तो कभी सामान्य वीडियो बनाते बनाते भी कुछ अजीब और मजेदार हो जाता है। पर कई बार कुछ बातें तो जानबूझ कर करने पर भी बहुत ही अजीब सी लगती हैं। एक वायरल वीडियो में एक ऐसा ही विज्ञापन छपा है जिसमें कहा गया है कि पुरानी बीवी दे कर नई ले जा सकते हैं। लेकिन यह असल में ब्यूटी पार्लर का विज्ञापन है। महिलाओं, खास तौर पर पत्नी से पुरुषों के पीड़ित होने वाले बहुत से मजाक और चुटकुले बनाए जाते हैं। कई लोगों को यह बुरा भी लगता है। लेकिन फिर भी कॉमेडी के लिए यह एक लोकप्रिय विषय है। इसे विज्ञापन के रूप में दिखाना बहुत अजीब सा लगता है। विज्ञापन में जो दावा किया गया है कि उसके साथ होम सर्विस का भी ऑफर दिया गया है। लेकिन विज्ञापन जिस चीज का है, वह आसानी से समझ में नहीं आता है। इसे आकर्षक बनाने की भी कोशिश की गई है। इस पर सबसे ऊपर 2025 का धमाका भी लिखा हुआ है। अगर गौर से देखा जाए तो यह विज्ञापन किसी तरह का मजाक नहीं बल्कि एक बाकायदा एक तरह का प्रचार है जिसे लोग कुछ और अर्थों में ले रहे हैं। यह बाकायदा एक ऐसी सर्विस है जिसमें पुरानी पत्नी का हुलिया इतना बदल जाएगा कि वह नई बीवी लगने लगेगी। वीडियो में अकारम बीवी मेंटिनेंस सर्विस लिखा है। इसके नीचे एक सुंदर महिला की तस्वीर बनी है। जिसके नीचे बड़े बड़े अक्षरों में लिखा है, पुरानी बीवी लायें, नई ले जायें। इसके नीचे लिखा है, होम सर्विस उपलब्ध है। आखिर में पते का साथ मोबाइल नंबर तक लिखा है। असल में यह एक ब्यूटीपार्लर का विज्ञापन है जिसमें पुरानी पत्नी को नई करके देने का वादा किया गया है। मोबाइल नंबर तो हमें नहीं दिखता क्योंकि उसके ऊपर कैप्शन बना है, इसे एक ही दिन में, अब तक 17 लाख व्यूज़ मिल चुके हैं। लोगों ने भी इस पोस्टर पर जम कर मजेदार कमेंट्स किए हैं। कमेंट सेक्शन में लोगों ने बहुत कुछ कहा है। एक यूज़र ने पूछा है, पुरानी का क्या करते हो?

अजब-गजब | 4 साल से हो रही थी खुदाई

मिली 2700 साल पुरानी सैकड़ों मूर्तियां!

इतिहास की जानकारी हासिल में पुरातत्व विशेषज्ञों की बहुत अहम भूमिका होती हैं। वे जमीन की खुदाई कर पराने समय की जगह पर मिली चीजों का अध्ययन कर उस दौर की जानाकारियां हासिल करते हैं। बहुत कम ऐसा होता है कि खुदाई करते समय कोई बहुत बड़ी जगह मिल जाए। या फिर एक ही जगह पर बहुत सारी ऐसी चीज़ें मिल जाएं जो इतिहास के बारे में बहुत कुछ बता सकती हैं। हाल ही में पुरातत्वविदों को साइप्रस के एक स्थल पर चार साल तक खुदाई करने के बाद, सैकड़ों मूर्तियों वाले एक बड़े प्राचीन मंदिर का पता चला है। ये मूर्तियां ग्रीक देवता अपोलो की हैं। साइप्रस की दूर स्थित घाटी मे मौजूद इस जगह पर मिले अवशेष 2700 साल पुराने हैं। इस जगह को ओपोलो की सेंक्यूरी कहा जाता है। इस जगह की खुदाई साल 2021 में शुरू हुई थी। तब से इस पर जर्मन विशेषज्ञों की एक टीम काम कर रही है। चार साल की खुदाई के नतीजों का खुलासा साइप्रस पुरातत्व विभाग के एक बयान ने किया। इस बयान के मुताबिक इस जगह के सैंकड़ों अपोलो मूर्तियों के सजाया गया था। खुदाई में अपोलो की मूर्तियों के अलावा संगमरमरी कांच के मोती या फाइयेन्स यानी, टिन-चमकदार मिट्टी के बर्तन से बने मिस्र के ताबीज, भी हासिल किए गए हैं। अपोलो का यह अभयारण्य पहली बार जर्मन पुरातत्वविद् मैक्स ओहनफालश-रिश्टर ने 1885 में खोजा था। उस समय इसे अपने समय की सबसे शानदार खोजों में से एक माना गया था। लेकिन इसकी ज्यादा खुदाई नहीं हुई। खुद ओहनफालश-रिश्टर ने जगह को फिर से दफना दिया। इसके बाद एक सदी से भी ज्यादा का वक्त गुजर गया। इस जगह को एक तरह से पूरा का पूरा ही भुला दिया गया। लेकिन 2021 में जर्मन पुरातत्वविदों की नई टीमों ने तमासोस के पास फ्रांग्रिसा की घाटियों में फिर से खुदाई शुरू की और खोए हुए मंदिर क खोजा, जो पहले खो गया था। शोधकर्ताओं का कहना है कि पिछली बार मूर्तियों की ठीक से पहचान नहीं हो सकी थी और उसे जल्दबाजी में दफन कर दिया गया। इस बार बहुत व्यापक और गहन जांच हुई और वे उन खजानों को उजागर कर सके थे, जिन पर शुरू में ध्यान नहीं दिया गया था। इनमें विशाल मूर्तियों के टुकड़े शामिल थे, जिनमें से कुछ पैर लगते थे। इस जगह से शोधकर्ताओं को दो शिलालेख भी मिले जिनसे पता चला है कि ये मूर्तियां 6वीं और 7वीं ईसापूर्व शताब्दी को होने की पुष्टि करती हैं। बयान में कहा गया है, शिलालेखों के साथ दो आधारों की खोज शानदार है। एक पर कई स्थानीय साइप्रो-सिलेबिक अक्षर अंकित हैं, जबकि दूसरा ग्रीक अक्षरों में टॉलेमी को संदर्भित करता है, जो मिस्र के हेलेनिस्टिक शासक थे जिन्होंने उस समय साइप्रस पर भी कब्जा किया था। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि इस जगह से उस दौर की बहुत सारी जानकारियां मिल सकेंगे।

खुदाई में अपोलो की मूर्तियों के अलावा संगमरमरी कांच के मोती भी किए गए हैं हासिल

सौरभ और सत्येंद्र जैन की फिर बढ़ी मुश्किलें

» उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच को केंद्र ने दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। दिल्ली सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन और मौजूदा स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में जांच की अनुमति केंद्र सरकार ने दे दी है। यह मंजूरी दिल्ली सरकार के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की सिफारिश पर दी गई है। केंद्र सरकार की ओर से दी गई इस मंजूरी को राजनीतिक हलकों में गंभीर घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है, खासकर उस समय जब आम आदमी पार्टी पहले ही शराब नीति मामले में सीबीआई और ईडी की जांचों का सामना कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, यह मामला दिल्ली के लोक निर्माण विभाग में कथित भ्रष्टाचार और टेंडर गड़बड़ियों से जुड़ा है। सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन दोनों पर आरोप है कि इन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कुछ ठेकेदारों को नियमों को ताक पर रखकर अनुचित लाभ पहुंचाया। बता दें सत्येंद्र जैन पहले से ही आय से अधिक संपत्ति के मामले में जेल की हवा खा चुके हैं और जमानत पर बाहर हैं। वहीं, अब उन पर एक और भ्रष्टाचार केस की जांच शुरू होने वाली है। सौरभ भारद्वाज, जो वर्तमान में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री हैं, अब तक भ्रष्टाचार के मामलों से दूर रहे थे, लेकिन इस जांच की मंजूरी ने उन्हें भी कानूनी संकट में डाल दिया है।

यह सब भाजपा की साजिश है : आप

आप की तरफ से इस कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना बताया गया है। पार्टी के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा, यह सब भारतीय जनता पार्टी की साजिश है। हम ईमानदारी की राजनीति करते हैं और जनता सब देख रही है। सच्चाई की जीत होगी। अब भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम, 1988 के तहत इस मामले में औपचारिक एफआईआर दर्ज हो सकती है और जांच एजेंसी (संभावित रूप से सीबीआई) दोनों नेताओं को पूछताछ के लिए तलब कर सकती है। जांच में संलिप्तता पाई गई तो आगे गिरफ्तारी और ट्रायल की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

जश्न का माहौल : आम आदमी पार्टी का मिशन पंजाब सफल

» संजीव अरोड़ा बनेंगे पंजाब सरकार में मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के लुधियाना वेस्ट के साथ गुजरात की विसावदर सीट जीतने पर आज दिल्ली में जश्न रखा गया है। इस कार्यक्रम के बाद भगवंत मान मंत्रिमंडल के साथ संजीव अरोड़ा की जगह राज्यसभा कौन जाएगा पर पर सस्पेंस खत्म हो सकता है। जश्न के लिए गुजरात के नेता भी दिल्ली पहुंचे हैं। पंजाब की लुधियाना वेस्ट पर राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा की जीत के बाद में फेरबदल की अटकलें लग रही हैं। राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद कैबिनेट में फेरबदल की बात कही है। पिछले चुनाव की तुलना में संजीव अरोड़ा ने लुधियाना वेस्ट सीट ज्यादा मार्जिन से जीती हैं।

ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि भगवंत मान मंत्रिमंडल में कौन-कौन शामिल होगा? राजनीतिक हलकों में जो चर्चा है उसके हिसाब से संजीव अरोड़ा की भगवंत मान मंत्रिमंडल में एंट्री तय है। उन्हें अहम विभाग भी मिल सकता है। इंडस्ट्री विभाग उन्हें मिल सकता है। राजनीतिक हलकों में अटकलें हैं कि मान भी पद छोड़ सकते हैं। आप के सूत्र इसे अफवाह बता रहे हैं, उनका कहना है कि केजरीवाल पहले ही साफ कर चुके हैं कि भगवंत मान की अगुवाई में अगला चुनाव लड़ा जाएगा। आप के दिल्ली चुनाव हारने के बाद से संजीव अरोड़ा चर्चा में हैं। इसकी वजह है कि उन्होंने अपना सरकारी घर अरविंद केजरीवाल को रहने के लिए दिया था। इसके बाद उन्हें जब विधानसभा का प्रत्याशी बनाया गया तो अटकलें लगी कि केजरीवाल उनकी जगह राज्यसभा जा सकते हैं। सूत्र बताते हैं कि आप कोई चौंकाने वाले फैसला ले सकती है। आप जिसे भी राज्य सभा भेजेगी। उसे पंजाब के आगामी चुनाव और पार्टी की रणनीति को ध्यान में रखा जाएगा।

कैबिनेट विस्तार के साथ बदलेंगे विभाग

दिल्ली गंवाने के बाद आम आदमी पार्टी पंजाब को लेकर काफी सतर्क है। ऐसे में पार्टी चाहती है कि 2027 के चुनावों से पहले एक अंतिम फेरबदल किया जाए और तमाम चीजों को ठीक कर लिया जाए। अब देखना यह है कि मान सिर्फ कैबिनेट का विस्तार करते हैं या फिर कुछ मंत्रियों को बाहर भी करते हैं। पंजाब मंत्रिमंडल में अभी कैबिनेट की दो बर्थ खाली हैं। चर्चा है कि कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया जा सकता है। भगवंत मान ने मंगलवार को राज्य के गर्वनर गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात की थी। दोनों के बीच 25 मिनट बात चली थी।

नगर निगम के राजस्व निरीक्षकों को बिना काम, भरपूर आराम

» दो लाख का वेतन पा रहे राजस्व निरिक्षकों के ऊपर उठे गंभीर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक ओर निगम राजस्व वसूली की कमी का रोना रोता है, वहीं दूसरी ओर चार ऐसे राजस्व निरीक्षक महीनों से बिना तैनाती के मुख्यालय से संबद्ध रहकर दो लाख रुपये से अधिक वेतन उठा चुके हैं, बिना कोई फील्ड कार्य किए। आरोप सीधे तौर पर कुलदीप चौधरी, शिप्रा सिंह, हरिशंकर पांडेय और सुबोध कुमार पर लग रहे हैं।

इन सभी को नगर निगम में बहाल तो कर दिया गया है, लेकिन उन्हें न किसी ज़ोन में, न किसी वार्ड में और न ही किसी क्षेत्रीय कार्यालय में तैनात किया गया है। ये निरीक्षक फिलहाल मुख्यालय से ही संलग्न हैं, और फील्ड में कोई जिम्मेदारी नहीं निभा रहे। इस पूरे मामले ने नगर निगम के भीतर कार्य संस्कृति और निर्णय-निर्माण प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह केवल प्रशासनिक लापरवाही है या निगम के भीतर किसी प्रकार की आंतरिक खींचतान है, जो तैनाती को रोक रही है?

जब जरूरत है, तब संसाधन बेकार

नगर निगम के कई वार्डों में राजस्व निरीक्षकों की कमी के कारण वसूली प्रभावित हो रही है। प्रॉपर्टी टैक्स, लेटिंग टैक्स, अवैध निर्माण की निगरानी और अन्य राजस्व स्रोतों की पहचान जैसे कार्य लंबे समय से लंबित पड़े हैं। ऐसे में प्रशिक्षित निरीक्षकों का खाली बैठना जनता के साथ अन्याय और सरकारी धन की बर्बादी के रूप में देखा जा रहा है। नगर निकाय से जड़े लोगों का कहना है कि यदि इन निरीक्षकों को तत्काल सक्रिय ड्यूटी पर लगाया जाए, तो न केवल वसूली दर सुधरेगी, बल्कि आम जनता को भी सुविधाएं बेहतर मिल सकेंगी।

राज्य कर्मचारी-शिक्षकों ने किया सत्याग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के खिलाफ कर्मचारी-शिक्षक संगठनों का आक्रोश एक बार फिर खुलकर सामने आया है। मंगलवार को कर्मचारी-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर प्रदेश के सभी 75 जिलों में गांधीवादी तरीके से सत्याग्रह और भूख हड़ताल का आयोजन किया गया। सभी जिलों में कर्मचारियों और शिक्षकों ने जिलाधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को 6 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा और शीघ्र वार्ता शुरू न होने की स्थिति में आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

राजधानी लखनऊ में यह प्रदर्शन नगर निगम परिसर में हुआ जहां बी.एन. सिंह की प्रतिमा स्थल पर कर्मचारी-शिक्षकों ने भूख हड़ताल कर अपना विरोध दर्ज कराया। पुलिस आयुक्त कार्यालय के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष वी.पी. मिश्रा ने की, जो खुद भूख हड़ताल पर बैठे। मोर्चा के महासचिव शशि कुमार मिश्रा और संयोजक सतीश कुमार पांडे ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों की मांगों को लेकर कोई गंभीर वार्ता नहीं की है। उन्होंने बताया कि 18 नवम्बर 2024 को मुख्य सचिव स्तर पर आखिरी बार बैठक हुई थी, लेकिन उसके निर्णयों का कार्यवृत्त आज तक जारी नहीं हुआ। प्रदर्शन में शामिल संगठनों ने एक और गंभीर आरोप लगाया कि अब संगठन अध्यक्षों और महामंत्रियों को सचिवालय के प्रवेश पत्र ही जारी नहीं किए जा रहे हैं। इससे सरकार और कर्मचारियों के बीच संवाद पूरी तरह ठप हो गया है। मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि यह सचिवालय से कर्मचारियों को 'अलग-थलग' करने की साजिश है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम सौंपा 6 सूत्रीय ज्ञापन

आंदोलन और उग्र होने की दी चेतावनी

संयुक्त मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि राज्य सरकार ने शीघ्र संवाद की पहल नहीं की, तो यह आंदोलन और व्यापक होगा। मोर्चा ने कहा कि सरकार केवल दिखावटी बैठकों में विश्वास रखती है, जबकि ज़मीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

भारत को नहीं भा रहा कोच गंभीर का अंदाज

» उनके कार्यकाल में 11 टेस्ट में से सिर्फ 3 मैच जीत पाई टीम इंडिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम के टेस्ट में हार का सिलसिला जारी है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज गंवाने के बाद टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे पर पहले मुकाबले में भी शिकस्त मिली। हालांकि, अभी सीरीज की शुरुआत ही है और भारतीय टीम में वापसी का दमखम है, लेकिन लाल गेंद के प्रारूप में लगातार मिल रही हार से फैंस निराश हैं। गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद भारतीय टीम टेस्ट में सिर्फ बांग्लादेश से अपने घर में 2-0 से सीरीज जीत पाई है।

वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया को घरेलू मैदान पर 3-0 क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम 3-1 से सीरीज हार गई थी। अब इंग्लैंड में भी पांच मैचों की सीरीज में मेहमान टीम 1-0 से पीछे है। भारतीय टीम ने भले ही चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की हो, लेकिन लाल गेंद को क्रिकेट का असली प्रारूप माना जाता है और खुद गंभीर भी टेस्ट के महत्व के बारे में कई बार बात कर चुके हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है। फैंस का तो यहां तक कहना है कि सबसे लंबे प्रारूप में गंभीर की कोचिंग टीम इंडिया को नहीं जंच रही है। पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद भारत ने नौ टेस्ट खेले और इसमें सिर्फ एक मैच जीत पाई है।

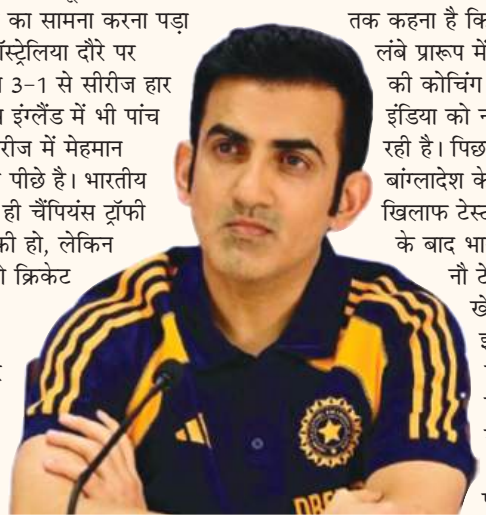

दिनुषा को कुसल मेंडिस से मिली टेस्ट कैप

कोलंबो। ऑलराउंडर सोनल दिनुषा को कुसल मेंडिस से टेस्ट कैप मिली है, जो वह नंबर 6 पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। सोनल का यह पहला इंटरनेशनल मैच है। वहीं श्रीलंका ने अपनी प्लेइंग इलेवन में दो स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों को शामिल किया है । कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने पुष्टि की है कि वह खुद नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। वहीं बांग्लादेश ने जकर अली की जगह मेहदी हसन को मौका दिया है। हसन महमूद चोटिल होने के चलते प्लेइंग इलेवन से बाहर हैं। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉले में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। ऐसे में दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज का यह मैच निर्णायक होगा। दोनों देशों के बीच टेस्ट रिकॉर्ड को देखें, तो अब तक कुल 27 टेस्ट खेले गए हैं, जिसमें श्रीलंका का पलड़ा हावी रहा है। श्रीलंका ने अब तक 20 मैच अपने नाम किए हैं, जबकि बांग्लादेश सिर्फ एक ही टेस्ट जीत सका है। इनके अलावा छह मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।

अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए शुभांशु शुक्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक्सिओम-4 मिशन पर जा रहे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने अपने बेटे की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। कहा कि हमें अपने बेटे पर नाज है, उसकी वजह से आज हमारा सीना गर्व से चोड़ा है। शुभांशु शुक्ला के पिता बताते हैं कि मैं अपने बच्चे को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आज मेरा बच्चा मिशन पर जा रहा है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि वह जिस मिशन के साथ जा रहा है, उसका मिशन पूरा हो।

मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे बेटे का मिशन जरूर पूरा होगा। उन्होंने बताया कि अभी कानपुर में एक फंक्शन का आयोजन किया गया है। हम वहीं से पूरी लॉन्चिंग देखेंगे। हम लोगों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने आगे बताया, मेरी शुभांशु से बात हुई। वह अपने मिशन को लेकर पूरी तरह से कॉन्फिडेंट हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि उनका यह मिशन जरूर पूरा होगा। वह पूरी तरह से तैयार हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि उनका मिशन जरूर पूरा होगा। उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। वहीं, शुभांशु शुक्ला की मां बताती हैं कि आज मैं बहुत खुश हैं। मैं अपनी खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकती हूं। इस पल का हम सभी को बेसब्री से इंतजार था।

फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से हुआ लॉन्च

शुभांशु शुक्ला के अंकल एमबी मिश्रा बताते हैं कि मैं शुभांशु को बचपन से जानता हूं। मैं उसे बधाई देता हूं। वह बहुत अच्छा बच्चा है। उसने बहुत मेहनत की है। मैंने उसे बचपन से देखा है। वह बहुत ही सीधा लड़का है। आज मैं बहुत खुश हूं कि हमारा बच्चा इतने बड़े मिशन पर जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक खास निजी अंतरिक्ष मिशन, एक्सिओम मिशन 4 (एएक्स-4) आज फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने जा रहा है। यह मिशन नासा, स्पेसएक्स और एक्सिओम स्पेस के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें चार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जो वाणिज्यिक और वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण में एक नया कदम है। यह मिशन स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान के जरिए होगा, जिसे फाल्कन 9 रॉकेट सुबह 2:31 बजे (भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे) कक्षा में ले जाएगा। अंतरिक्ष यान का आईएसएस के साथ जुड़ाव (डॉकिंग) गुरुवार, 26 जून को सुबह 7:00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे) के आसपास होने की उम्मीद है। स्पेसएक्स ने लॉन्च से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी, एएक्स 4 मिशन के लिए सभी सिस्टम तैयार हैं और मौसम 90 फीसद अनुकूल है। लॉन्च का वेबकास्ट सुबह 12:30 बजे शुरू होगा।

शुभांशु पर हमें गर्व है

मेरे बच्चे के उड़ान भरने का समय आ चुका है। सभी लोग मेरे बच्चे को शुभकामनाएं दे रहे हैं। शुभांशु शुक्ला की बहन शुचि मिश्रा ने भी अपने भाई की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हम भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं कि वह जिस मिशन पर जा रहे हैं, भगवान उन्हें इसमें सफलता दें। हमें पूरा भरोसा है कि वह इस मिशन में जरूर कामयाब होंगे। उन्होंने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ा परिश्रम किया है। शुभांशु शुक्ला की बहन निधि मिश्रा ने भी अपने भाई की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। कहा कि उसने एक मिसाल कायम की है। खासकर इस देश के युवाओं के लिए। इस देश के युवाओं को उनसे सीखना चाहिए।

पूर्व पीएम शेख हसीना के खिलाफ फिर से मुकदमे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ मानवता के विरुद्ध अपराध का आरोप लगाया गया है। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अभियोजक ने यह आरोप जुलाई में हुए जन विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों पर की गई बर्बरता को लेकर लगाए गए हैं।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व आईजीपी चौधरी मामून को भी सह आरोपी बनाया गया है। मोहम्मद यूनुस के शासन में चल रहे इस मुकदमे की सुनवाई का बांग्लादेश टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया जा रहा है।

हसीना पर दो केस दर्ज

शेख हसीना पहले से ही आईसीटी में दो अन्य मामलों का सामना कर रही हैं। इनमें एक अवामी लीग शासन के दौरान जबरन गायब किए जाने और न्यायेतर हत्याओं में कथित संलिप्तता से संबंधित है, और दूसरा मोतीझील के शापला छतर में 2013 में हिफाजत-ए-इस्लाम रैली के दौरान हत्याओं से संबंधित है।

बच्चों के खिलाफ हुई हिंसा

जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए, आईसीटी के मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने 12 मई को कहा था कि हसीना सीधे तौर पर सभी राज्य बलों, उनकी पार्टी और उससे जुड़े निकायों को ऐसी कार्रवाइयां करने का आदेश देने के लिए जिम्मेदार हैं, जिससे कारण सामूहिक हत्याएं, चोटें, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार, 1,500 से अधिक लोग मारे गए, 25,000 से अधिक घायल हुए और अनगिनत अन्य लोगों को यातना और अन्य अमानवीय व्यवहार का सामना करना पड़ा।

मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने रविवार को ट्रिब्यूनल में शिकायत को औपचारिक रूप से पेश किया। इसमें हसीना को जुलाई और अगस्त में देश भर में हुई सामूहिक हत्याओं के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है। इससे पहले 12 मई को जांचकर्ताओं ने एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कहा गया था कि हसीना ने हत्याओं का आदेश दिया था।

1 जुलाई से सुनवाई शुरू

मान सरकार का बड़ा एक्शन

अकाली नेता बिक्रम मजीठिया के घर विजिलेंस टीम ने दी दबिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नशे के खिलाफ पंजाब की मान सरकार ने बुधवार को सबसे बड़ा एक्शन लिया। अकाली नेता बिक्रम मजीठिया के घर विजिलेंस की रेड पड़ी है। मजीठिया के अमृतसर स्थित आवास पर छापेमारी जारी है। बिक्रम मजीठिया की पत्नी विधायक गुनीव कौर मजीठिया भी घर पर मौजूद हैं।

सूत्रों के अनुसार बिक्रम मजीठिया के घर समेत अमृतसर में कुल नौ ठिकानों पर छापेमारी की गई है। पूरे पंजाब में 25 ठिकानों पर छापेमारी की गई है। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी नशा कारोबार से जुड़े मामले में की जा रही है। रेड ड्रग मनी की तलाश में हो रही है। वहीं मजीठिया के चंडीगढ़ स्थित आवास में सतर्कता अधिकारी बाड़ फांदकर घुसे।

बिक्रम मजीठिया के ग्रीन एवेन्यू स्थित घर के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सभी रास्ते भी बैरिकेड लगाकर बंद किए गए हैं। पता चला है कि मजीठिया घर में ही हैं। पंजाब सरकार की अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों की ओर से नशा तस्करी के मामले में मजीठिया के अमृतसर ग्रीन एवेन्यू स्थित घर की तलाशी ली जा रही है।

बछड़े को बचाने कुएं में उतरे छह लोग, तड़पकर हुई पांच की मौत

» लोगों को निकालने पहुंची राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल भी खड़े होकर तमाशा देखती रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में गुना जिले के धरनावदा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना हुई। गाय के एक बछड़ा कुएं में गिर गया था। उसे बचाने के लिए एक-एक कर 6 लोग कुएं में उतर गए। इनमें से पांच की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति को गांव वालों ने बचा लिया। हैरान करने वाली बात ये है कि मौके पर लोगों को निकालने के लिए पहुंची राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल भी खड़े होकर तमाशा देखती रही।

घटना के बाद SDERF की लापरवाही को लेकर लोगों में गुस्सा है। कुएं में 5 लोग मर रहे थे और बचाने के लिए पहुंची SDERF की टीम बाहर खड़ी होकर तमाशा देख रही थी। SDERF की टीम जब रेस्क्यू के लिए घटना स्थल पर पहुंची तो टीम बचाव तो छोड़िये, कुएं में उतरी तक नहीं। उनके पास न तो ऑक्सीजन सिलेंडर थे और न ही कोई सुरक्षा के उपकरण। यही वजह रही कि बचाने के लिए गांव वालों को कुएं में उतरना पड़ा। उन्होंने खटिया के सहारे डुबते युवकों को बचने का प्रयास भी किया लेकिन सिर्फ एक को ही बचाया जा सका।

आशंका जताई जा रही है कि इन 5 लोगों की मौत कुएं में जहरीली गैस के रिसाव से हुई है। बताया गया कि जहरीली गैस के कारण उनका दम घुटने लगा और वे एक-एक कर बेहोश होते चले गए। कुएं में करीब 10 से 12 फिट पानी था, जिसके कारण डुबने से उनकी मौत हो गई।

लगातार पकड़े जा रहे हैं भारत में रह रहे अवैध विदेशी

मुंबई में म्यामार का नागरिक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमिग्रेशन जांच के दौरान एक म्यांमार नागरिक को पकड़ा गया, जो जाली भारतीय दस्तावेजों के साथ अवैध रूप से भारत में रह रहा था। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान यू थांग सोए लियान (34) के रूप में हुई, जो बोइतलुंग सायमन के फर्जी नाम से दिल्ली में रह रहा था। उसकी गिरफ्तारी का कारण उसका हिंदी न बोल पाना और मिजोरम के बारे में बुनियादी जानकारी न दे पाना था जिससे इमिग्रेशन अधिकारियों को शक हुआ।

सहार पुलिस स्टेशन के अनुसार, थांग मलेशिया जाने वाली फ्लाइट में चढ़ने की कोशिश कर रहा था। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उससे पूछताछ शुरू की। उसके पासपोर्ट में मिजोरम के आइजोल को जन्म स्थान बताया गया था, लेकिन वह मिजोरम या भारत से जुड़े सवालों के जवाब नहीं दे सका। उसकी अंग्रेजी बोलचाल और हिंदी की जानकारी न होने से अधिकारियों का शक गहरा गया। गहन पूछताछ में थांग ने स्वीकार किया कि वह म्यांमार का नागरिक है और 2019 में वहां सरकार विरोधी प्रदर्शनों में शामिल होने के बाद देश छोड़कर भाग आया था। म्यांमार में उसकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी था।

अवैध रूप से आया था भारत

थांग ने बताया कि वह 2019 में मिजोरम के रास्ते अवैध रूप से भारत में घुसा और दिल्ली में बस गया। वहां तालिब नामक एक पासपोर्ट एजेंट की मदद से उसने जाली भारतीय पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज हासिल किए। इन दस्तावेजों के जरिए उसने न केवल भारत में रहने की व्यवस्था की, बल्कि विदेश यात्राएं भी कीं।

मुकदमा दर्ज

पुलिस ने थांग के खिलाफ जालसाजी और अवैध प्रवास के आरोप में मामला दर्ज किया है। जांच जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि जाली दस्तावेज बनाने में और कौन-कौन शामिल थे। पुलिस ने यह भी बताया कि अगर इस पूरे मामले में किसी दूसरे व्यक्ति की भी संलिप्तता सामने आएगी, तो निश्चित तौर पर उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।